

रीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

१९६६  
उनवान ससम्बर बनान ... लालचन्द ... १९६६ .....

नंबर व  
अहकाम  
हुक्म क  
में जारी

मुकदमा नं० ८५/२००१.... निर्णय दि० २-११-२०

उभय पक्ष की आपत्तियों पर गौर किया गया। किाद का पारम्परिक शरीर स्थली निर्माता है ही पारम्परिक हुआ है। वादी अनुसार सभी का रूढ़ पर लगती भूमि दिया जाया। मीमू स्थित व मशर की सुविधा के मसुमलर व्यावहारिक नहीं है। सारी भूमि एकसमान उपजाऊ है व अपने-२ हिस्से अनुसार मीमू पर मशर की जा रही है।

तस्लीलदार द्वारा प्रेषित मुर्तजात व नमूना में आंशिक संशोधन करते हुये आदेश दिया जाता है कि नमूना ट्रेस में A है B 4 1/2 फीट B से 4 1/2 फीट है लगावार ६० डिग्री में DEF तक ९ फीट मीमू का प्रावधान सम्बंधित खातेदारों की भूमि में है देते हुये राजस्व रिफाई व नमूने में विभाजन दर्ज हो। खाते में आयी भूमि का आंशिक तस्लीलदार द्वारा मुर्तजात में आयी भूमि में स्वीकृत खातेदार के हिस्से का भाग होगा। ख.म. १३५ की म. २५६ के तहत स्वीकृत पत्र १९६१ आदेशों में जसे है। निर्णय अनुसार आंशिक डिग्री जारी होगा पत्रावली फंसल भुमार हो।

निर्णय आज दि. २.११.२० को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

*(Signature)*  
[रजनीश सिंह]  
जिला-दौसा

